The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (c). Out of ten stations at which such licences are current, in the case of five, the barbers are directly licenced, while the licence in respect of the other five has been issued to a contractor who employs the barbers. Also, even in respect of these five stations, instructions have recently been issued to the Western Railway to licence the barbers directly on the expiry of the existing contract.

The terms of these contracts are that a reasonable annual licence fee per barber per station is levied and that a small cubicle, with a table and a chair, is permitted in the III Class waiting hall for the purpose of the contract.

(b) No.

Inland Waterways

1992. **Shri Ghosal:**
Shri B. Das Gupta:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) whether there is any statutory body to control and supervise the Inland Waterways from Calcutta to Assam by Ganga and Brahmaputra; and

(b) if so, the name of the body and its functions?

The Minister of Transport and Communications (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Railway Line from Santragachi to Bishnupur

1993. **Shri Ghosal:**
Shri B. Das Gupta:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to lay a railway line connecting Santragachi to Bishnupur *via* Arambeg in West Bengal; and

(b) if so, whether any survey has been carried out in this regard and the time it will take for the proposal to materialise?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

रेलों में प्रोत्साहन देने की योजना

१९९५ श्री नरदेव स्नातक :
श्री रा० स० तिवारी :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक रेलवे के किन किन स्टेशनों तथा वर्कशापों में प्रोत्साहन देने वाली योजना चालू की गई है ;

(ख) रेलों में मजदूरों और प्रबन्धकों के प्रश्न का अध्ययन करने के लिये किस प्रकार की योजना बनाई गई है ; और

(ग) उसे कब तक कार्यान्वित किया जायेगा ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) :

(क) (१) चितरंजन कारखाने की सभी उत्पादन-शालाओं (Production Shops) में यह योजना चालू की गयी है ।

(२) पूर्व रेलवे के जमालपुर और कंचरापारा कारखानों के कुछ निर्माण-विभागों (manufacturing sections) में और दक्षिण रेलवे के पेरम्बूर कारखाने में भी आंशिक रूप से यह योजना चालू की गयी है ।

(ख) तथा (ग). अगर सवाल का मतलब प्रबन्ध में मजदूरों के भाग लेने से है,

तो इसकी कोई विस्तृत योजना अभी नहीं बनी है। इस पर विचार किया जा रहा है।

Bridge Over Swan Nadi

1996. Shri Hem Raj: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether the Punjab Government have approached the Central Government for loan, subsidy or grant for the construction of a bridge on Swan Nadi near Una (Punjab); and

(b) if so, the stage at which the proposal stands?

The Minister of Transport and Communications (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) No, Sir.

(b) Does not arise

रेलवे कार्यालय का स्थानान्तरण

१९९७. श्री जांगड़े : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि दक्षिण पूर्वी रेलवे के चीफ मैकेनिकल इंजीनियर का कार्यालय चक्रधरपुर से कलकत्ता स्थानान्तरित किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो यह कब तक स्थानान्तरित कर दिया जायेगा ,

(ग) इस कार्यालय में इस समय कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं , और

(घ) कलकत्ता में इन कर्मचारियों के रहने का क्या व्यवस्था होगा ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज़ खां) : (क) दक्षिण-पूर्व रेलवे के चीफ मैकेनिकल इंजीनियर का दफ्तर पहले ही कलकत्ता भेज दिया गया है और डिप्टी चीफ मेकैनिकल इंजीनियर (रनिंग) का दफ्तर कलकत्ता भेजा जा रहा है।

(ख) चीफ मेकैनिकल इंजीनियर का दफ्तर नवम्बर, १९५६ में कलकत्ता भेजा गया और डिप्टी चीफ मेकैनिकल इंजीनियर (रनिंग) का दफ्तर जल्दी कलकत्ता भेजा जायेगा।

(ग) चीफ मेकैनिकल इंजीनियर कलकत्ता के दफ्तर में २० और डिप्टी चीफ मेकैनिकल इंजीनियर (रनिंग) के दफ्तर में १०० कर्मचारी काम कर रहे हैं।

(घ) डिप्टी चीफ मेकैनिकल इंजीनियर (रनिंग) के दफ्तर में काम करने वाले १०० कर्मचारियों में से ६० कर्मचारी बिना सरकारी मकान के अपनी मर्जी से कलकत्ता जाने को तयार हैं। बाकी ४० कर्मचारियों के लिये रेलवे मकानों का प्रबन्ध कर रही है।

मध्य प्रदेश में खरीफ की फसल

१९९८. श्री जांगड़े : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के पूर्वी जिलों में खरीफ की फसल के अनुमान केन्द्र को भेज दिये गये हैं ;

(ख) यदि हां, तो ये अनुमान किस के द्वारा एकत्र किये गये थे; और

(ग) सूखे से पीड़ित इन क्षेत्रों में सहायता कार्यों अथवा लोगों को काम देने पर कितनी धन-राशि खर्च करने का विचार है और उसमें से कितने प्रतिशत खर्च केन्द्रीय सरकार वहन करेगी ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन): (क) तथा (ख). अभी तक मुख्य खरीफ अन्नों के उत्पादन के प्रारम्भिक अनुमान प्राप्त हुए हैं। उत्पादन के अन्तिम अनुमान अप्रैल १९५८ के आखिर तक उपलब्ध होंगे।